कृष्णा रे कृष्णा,
मथुरा न जइयो,
गोकुल न जइयो,
मेरे मन मै रहियो,
ओ कृष्णा रे कृष्णा,
माखन चुरइयो न,
गइया न चरइयो,
मेरे मन मे रहियो,
मेरे मन मे रहियो,
मथुरा न जईयो,
गोकुल न जइयो,
मेरे मन मे रहियो।।

तर्ज पूरब न जइयो।

मुरली की वही तान सुनादो,
गीता का उपदेश सुना दो,
अर्जुन का रथ,
हाकन न जइयो,
मथुरा न जईयो,
गोकुल न जइयो।।

आठो प्रहर तेरा,
नाम जपूँ मै,
शामो शहर तेरा,

ध्यान करूँ मै,
ऐसी लगन मेरे,
मन मे लगइयो,
मथुरा न जईयो,
गोकुल न जइयो।।

मीरा सा प्रभू प्रेम जगादो,
चरणो मे मेरे,
मन को लगादो,
अवगुण मेरे,
चित मे न लइयो,
मथुरा न जईयो,
गोकुल न जइयो।।

कृष्णा रे कृष्णा,
मथुरा न जइयो,
गोकुल न जइयो,
मेरे मन मै रहियो,
ओ कृष्णा रे कृष्णा,
माखन चुरइयो न,
गइया न चरइयो,
मेरे मन मे रहियो,
मेरे मन मे रहियो,
मथुरा न जईयो,
गोकुल न जइयो,
मेरे मन मे रहियो।।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,

मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं।

Source: https://www.bharattemples.com/mathura-na-jaiyo-gokul-na-jaiyo/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw